भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

पशुपालन और डेयरी विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या- *280

दिनांक 08 अगस्त, 2023 के लिए प्रश्न

घरेलू पशुधन पालन

***280. श्री गजेन्द्र उमराव सिंह पटेल:**

श्री दुर्गा दास उइके:

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) जनजातीय क्षेत्रों सहित देश में घरेलू पशुधन के पालन को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों का ब्यौरा क्या है:

(ख) विगत तीन वर्षों के दौरान मध्य प्रदेश सहित देश के ग्रामीण क्षेत्रों और जनजातीय क्षेत्रों में घरेलू पशुधन के पालन को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा कुल कितनी धनराशि प्रदान की गई है; और

(ग) स्वदेशी/देशी नस्ल की गायों के संरक्षण और रख-रखाव के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री

(श्री परशोत्तम रूपाला)

(क) से (ग): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

*****

"घरेलू पशुधन पालन" के संबंध में दिनांक 08.08.2023 को श्री गजेन्द्र उमराव सिंह पटेल: श्री दुर्गा दास उइके द्वारा लोक सभा में पूछे जाने वाले तारांकित प्रश्न संख्या-280 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क) सरकार जनजातीय क्षेत्रों सहित देश में घरेलू पशुधन के पालन समेत पशुपालन को बढ़ावा देने और उसके विकास हेतु राष्ट्रीय पशुधन मिशन (एनएलएम), राष्ट्रीय गोकुल मिशन (आरजीएम), राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (एनपीडीडी), डेयरी प्रसंस्करण और अवसंरचना विकास निधि (डीआईडीएफ), डेयरी कार्यकलापों में लगी डेयरी सहकारी समितियों और किसान संगठनों की सहायता (एसडीसीएफपीओ), पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एलएच और डीसीपी) जैसी विभिन्न योजनाएं लागू कर रही है।

(ख) भारत सरकार के पशुपालन और डेयरी विभाग ने विगत तीन वर्षों में मध्य प्रदेश सहित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को विभिन्न योजनाओं के तहत निधियां जारी की हैं जो इस प्रकार हैं:

(करोड़ रु. में)

वर्ष	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**
मध्य प्रदेश सहित अखिल भारत	1780.29	2293.40	1132.20
मध्य प्रदेश	87.17	132.71	92.90

(ग) पशुपालन और डेयरी विभाग देशी बोवाइन नस्लों के विकास और संरक्षण के लिए दिसंबर, 2014 से राष्ट्रीय गोकुल मिशन लागू कर रहा है। यह योजना दूध की बढ़ती मांग को पूरा करने और देश के ग्रामीण किसानों के लिए डेयरी को अधिक लाभकारी बनाने के लिए, दुग्ध उत्पादन और बोवाइनों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है।

आरजीएम के तहत देशी नस्लों के विकास और संरक्षण के लिए भारत सरकार द्वारा निम्नलिखित प्रमुख कदम उठाए गए हैं:

(i) कृत्रिम गर्भाधान कवरेज के विस्तार के लिए राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम

(ii) देशी नस्लों के उच्च आनुवंशिक गुणता वाले सांडों के उत्पादन के लिए संतति परीक्षण और नस्ल चयन।

(iii) अधिमानतः देशी नस्लों के नस्ल वृद्धि फार्मों की स्थापना

(iv) देशी नस्लों के तीव्र आनुवंशिक उन्नयन के लिए इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) तकनीक को बढ़ावा देना

(v) जीनोमिक चिप का उपयोग करके जीनोमिक चयन का कार्यान्वयन।

(vi) देशी नस्लों के लिए सेक्स सोर्टेड वीर्य का उत्पादन

*****